

::प्रधानआयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE PRINCIPAL COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan

रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

रजिस्टर्ड डाक ए.डी.द्वारा :-

क	अपील काउन्सिल/आपेल फाइल नं./ Appeal - File No.	मूल आदेश नं / O.I.O. No	दिनांक/ Date
	V2/240 & 241/GDM/2017	02/Supdt/2017-18	21-11-2017

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-060-TO-061-2019

आदेश का दिनांक / Date of Order:	11.06.2019	जारी करने की तारीख / Date of issue:	13.06.2019
------------------------------------	------------	--	------------

श्री कुमार संतोष, प्रधान आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Principal Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ न्यूनतम आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवा कर/ वस्तु एवं सेवा कर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम द्वारा उपरलिखित जागी मूल आदेश में नूजित: /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-

M/s Bunge India Pvt. Ltd., Survey No. 151/1 & 151/2, Moti Chirai, Bhachau, Gandhidham (Kutch).

इस आदेश (अपील) में व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके से उपयुक्त प्राधिकरण / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) मेरे शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अधिनीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 का धारा 35B के अंतर्गत एवं विनियम अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।/
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन में सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं. 2, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, का की जानी चाहिए।/
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाया गया अपीलों के अलावा थ्री सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (मिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठ, द्वितीय तल, बहुमानी अदन अमरावा अहमदाबाद - 380016 का की जानी चाहिए।/
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 का चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, न्यूनतम 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति मलज कर। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम में किसी भी मावजिनक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगत आदेश (स्ट ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/-, Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty/demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, विन अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवा कर नियमावली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती एवं उसके साथ जिन आदेश के विरुद्ध अपील की गयी है, उनका प्रति साथ में मलज कर (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवा कर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, न्यूनतम 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति मलज कर। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम में किसी भी मावजिनक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगत आदेश (स्ट ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



- (i) बिन अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रारूप S.T.-7 में की जा नकराए गए उक्त माप अद्यतन, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिका (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उन्हें न एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा महायुक्त आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपीलार्थी न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति की साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) नीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थी प्राधिकरण (सेन्ट्रल) के प्रति अपीलार्थी के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1994 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की विनियम अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश की प्रति अपीलार्थी प्राधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जमाना निश्चित है, या जमाना, जब केवल जमाना निश्चित है, का भुगतान किया जाए, वरन् कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपीलित देय राशि इस क्रोड क्वॉर में अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "नीमा किंग्स शुल्क" में निम्न शामिल है
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत नकल
(ii) नुकसान जना की गई गुरुत राशि
(iii) नुकसान जना नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय नकल
- वरन् कि इस धारा के प्रावधान विनियम (नं 2) अधिनियम 2014 के अंतर्गत में पूर्व किमी अपीलार्थी प्राधिकारी के समक्ष विचारार्थित स्थान अर्ज़ी एवं अपील को लागू नहीं होगा। / For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
(i) amount determined under Section 11 D;
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार कोपुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षणयावेदना निम्नलिखित मामला में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपरंतुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, दिन मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौकी मॉडल, जौनत दीप भवन, समर मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
(i) यदि माल के किमी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किमी माल को किमी आगखाने में भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किमी अन्य आगखाने या फिर किमी एक भंडार गृह में दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किमी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किमी कारखाने या किमी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
(ii) भारत के बाहर किमी गुरु या अंश को निर्यात कर रहे गुरु के विनिर्माण में प्रदत्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किमी गुरु या अंश को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
(iv) मुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो कटौती कड़ी इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा दिन अधिनियम (नं 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई नारीख अथवा ममायाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ प्रारूप संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के मंगल के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के माध्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OI/O and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000/- का भुगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होने हुए भी की निम्नलिखित कार्य में बचने के लिए यथास्थिति अपीलार्थी न्यायाधिकरण को फेर अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
(E) यथामंशुश्चित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकित लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.5.50 as prescribed under Schedule-1 in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
(F) नीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थी न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
(G) उच्च अपीलार्थी प्राधिकारी को अपील दाखिल करने में संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in.



::ORDER-IN-APPEAL ::

M/s. Bunge India Pvt. Ltd., Survey No. 15/1/1 & 151/2, Moti Chirai, Bhachau, Gandhidham (Kutch) (*hereinafter referred to as "the appellant"*) filed two appeals against Order-in-Original No. 02/Supdt/2017-18 dated 21.11.2017 (*hereinafter referred to as "the impugned order - 1"*) and Order-in-Original No. 03/Supdt/2017-18 dated 21.11.2017 (*hereinafter referred to as "the impugned order - 2"*) and these two orders collectively referred to as "the impugned orders", passed by Superintendent, Central Excise and Service Tax, Gandhidham (Kutch) (*hereinafter referred to as "lower adjudicating authority"*). The details of appeals are as under : -

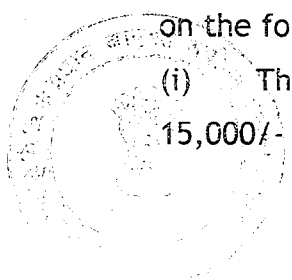
Sr. No.	Appeal No.	Order-in-Original No. and date	Period for which Returns not filed	Show Cause Notice No. and Date
01.	240/GDM /2017	02/Supdt/2017-18 dated 21.11.2017	Annual ER-5 Return not filed from 2012-13 to 2014-15	CEX/BCH/AR-II/CERA/2016-17/ER-5 dtd 30.3.2017
02	241/GDM/2017	03/Supdt/2017-18 dated 21.11.2017	Monthly ER-6 Returns not filed from 2012-13 to 2015-16 (upto Feb,2016)	CEX/BCH/AR-II/CERA/2016-17/ER-6 dtd 30.3.2017

2. The brief facts of the case are that the Appellant was engaged in the manufacture of refined palm oil, refined soya oil etc falling under Chapter 15 of the Central Excise Tariff Act, 1985 and was holding Central Excise registration No. AAACG7034KEM007. During audit of records of the Appellant, it was noticed by CERA that the Appellant had not filed ER-5 Returns declaring annual production capacity of the factory for the years 2012-13, 2013-14 and 2014-15 as prescribed vide Rule 9(A)(1) of the Cenvat Credit Rules, 2004 (*hereinafter referred to as "CCR,2004"*); that the Appellant had not filed monthly ER-6 Returns regarding receipt and consumption of their principal inputs for the years 2012-13 to 2015-16 (upto February, 2016) as prescribed vide Rule 9(A)(3) of CCR,2004.

2.1 Two show cause notices dated 30.3.2017 were issued to the Appellant for imposing penalty under Rule 15A of the Cenvat Credit Rules, 2004, which were decided vide the impugned orders and penalty of Rs. 15,000/- and Rs. 1,80,000/- respectively was imposed on the Appellant.

3. Being aggrieved by the impugned orders, the Appellant preferred appeals on the following grounds :-

(i) The lower adjudicating authority has erred in imposing penalty of Rs. 15,000/- for non-submission of ER-5 annual return for the financial years 2012-



[Handwritten signature]

13, 2013-14 to 2014-15 as filing of ER-5 return by them is not required; the lower adjudicating authority has just reiterated allegations of the Show Cause Notice while passing the impugned order - 1.

(ii) The Appellant also submitted that their final goods was "exempt" and no Input Tax Credit (ITC) on any principal input from 2012-13 to 2014-15 has been taken and therefore, annual return of information relating to principal inputs was not applicable to them; that filing of ER-5 return annually was mandatory only for those assessee who were paying duty of Rupee one crore or more per annum (either through PLA or Cenvat or both together) and were manufacturing goods under tariff headings as specified in Notification No. 39/2004-CE (N.T.) dated 25.11.2004; that their finished products did not fall under specified tariff headings 22, 28 to 30, 32, 34, 38 to 40, 48, 72 to 74, 76, 84, 85, 87, 90 and 94, 54.02, 54.03, 55.01, 55.02, 55.03, 55.04; that duty payment by them was not more than Rupee one crore annually; that they were not claiming input tax credit and accordingly they were not required to file ER - 5 returns; that their finished products "Edible Oil" did not fall under the specified tariff headings

(iii) Penalty under Rule 15A of Cenvat Credit Rules, 2004 is imposable when an assessee takes or utilizes Cenvat credit on inputs or capital goods through fraud, willful misstatement, suppression of facts or contravention of any of the provisions of the Act is involved; that these ingredients are not available in this case.

(iv) The Appellant further submitted that General Penalty provisions as prescribed under Rule 27 of Central Excise Rules, 2002 refers to - 'A breach of these rules shall.....' i.e. the Rules which is a plural term and not Rule and therefore, contravention of any number of rules would invite penal action under Rule 27 of the Central Excise Rules, 2002 to the extent of Rs. 5000/- and accordingly, penalty of Rs. 5000/- per month is not warranted and maximum penalty of Rs. 5000/- only should have been imposed.

(v) The lower adjudicating authority has erred in law as they had not evaded any tax and therefore, the lower adjudicating authority has not considered the principles laid down by the Hon'ble Delhi High Court in the case of Wood Crafts Enterprises Corporation Vs. STO reported as STO (1972) STC 315; that the basic intention of penalty is prevention of evasion of tax and punishing the offenders for breach of legal provisions.

(vi) The Appellant in respect of the impugned order No. 2, *inter alia*, submitted that the Appellant had not filed monthly ER-6 returns for the years



Findings:

7. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned orders, grounds of appeals, written as well as oral submissions made by the appellant. The issue to be decided in the present appeals is whether imposition of penalty under Rule 15A of the Cenvat Credit Rules, 2004 for non filing of ER-5 returns / ER-6 returns is justified or not.

8. I find that the lower adjudicating authority imposed penalty under Rule 15A of CCR, 2004 on the Appellant for non filing of ER-5 / ER-6 returns prescribed under Rule 9A of CCR, 2004. The Appellant has contested that filing of ER-5/ER-6 return was mandatory only for those assessee who were paying duty of more than Rupee one Crore or were manufacturing goods under tariff headings as specified in Notification No. 39/2004-CE (N.T.) dated 25.11.2004; that their finished products did not fall under specified tariff headings listed in the said notification and hence, they were not required to file ER-5/ ER-6 returns.

9. I find that the Central Government has issued notification No. 39/2004-CE(NT) dated 25.11.2004 under Rule 9A of CCR, 2004 specifying manufacturers or class of manufacturers who are not required to furnish declaration mentioned in sub-rule(1) or sub-rule(3) of Rule 9A of CCR, 2004, which is reproduced as under:

“In exercise of the powers conferred by sub-rule (4) of the rule 9A of the CENVAT Credit Rules, 2004, the Central Government being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts the following class of manufacturers of final products who manufacture excisable goods, -

- (i) specified in column (2) of the Table annexed hereto and falling under the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and have paid duties of excise less than rupees one hundred lakhs during the preceding financial year,
- (ii) other than those specified in column (2) of the said Table annexed hereto and falling under the First schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986);

from the operation of rule 9A of the said rules.

TABLE

S. No.	Description of Goods
(1)	(2)
1.	All goods falling under Chapters 22, 28, 29, 30, 32, 33, 34, 38, 39, 40, 48, 72, 73, 74, 76, 84, 85, 87, 90 and 94



2.	All goods falling under Heading Nos. 54.02, 54.03, 55.01, 55.02, 55.03 and 55.04
----	--

(Emphasis supplied)

9.1 It is on record that the Appellant was engaged in the manufacture of goods falling under Chapter 15 of the Central Excise Tariff Act, 1985. As per sub-clause (ii) of Notification supra, Chapter No. 15 is not appearing in Table above and consequently the Appellant was exempted from the operation of Rule 9A of CCR, 2004. Since, the Appellant was exempted from filing ER-5 and ER-6 returns, imposition of penalty for non filing of said returns under Rule 15A of CCR, 2004 is not sustainable and required to be set aside and I do so.

10. In view of above, I set aside the impugned orders and allow both the appeals.

11. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपीलों का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

11. Appeals filed by the appellant are disposed off in above terms.

सत्यापित,



विपुल शाह

अधीक्षक (अपील्स)

By R.P.A.D.

(कुमार संतोष)

प्रधान आयुक्त (अपील्स)

To, M/s. Bunge India Pvt. Ltd., Survey No. 151/1 & 151/2, Moti Chirai, Bhachau, Gandhidham (Kutch).	सेवा में, मे. बंजे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सर्वे नं. 151/1 एवं 151/2 मोती चिरई, भचाउ, जिल्ला कच्छ।
---	---

प्रति:-

- 1) प्रधान मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गांधीधाम आयुक्तालय, गांधीधाम को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अंजार-भचाउ मण्डल, गांधीधाम आयुक्तालय, गांधीधाम को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) गार्ड फाइल।



